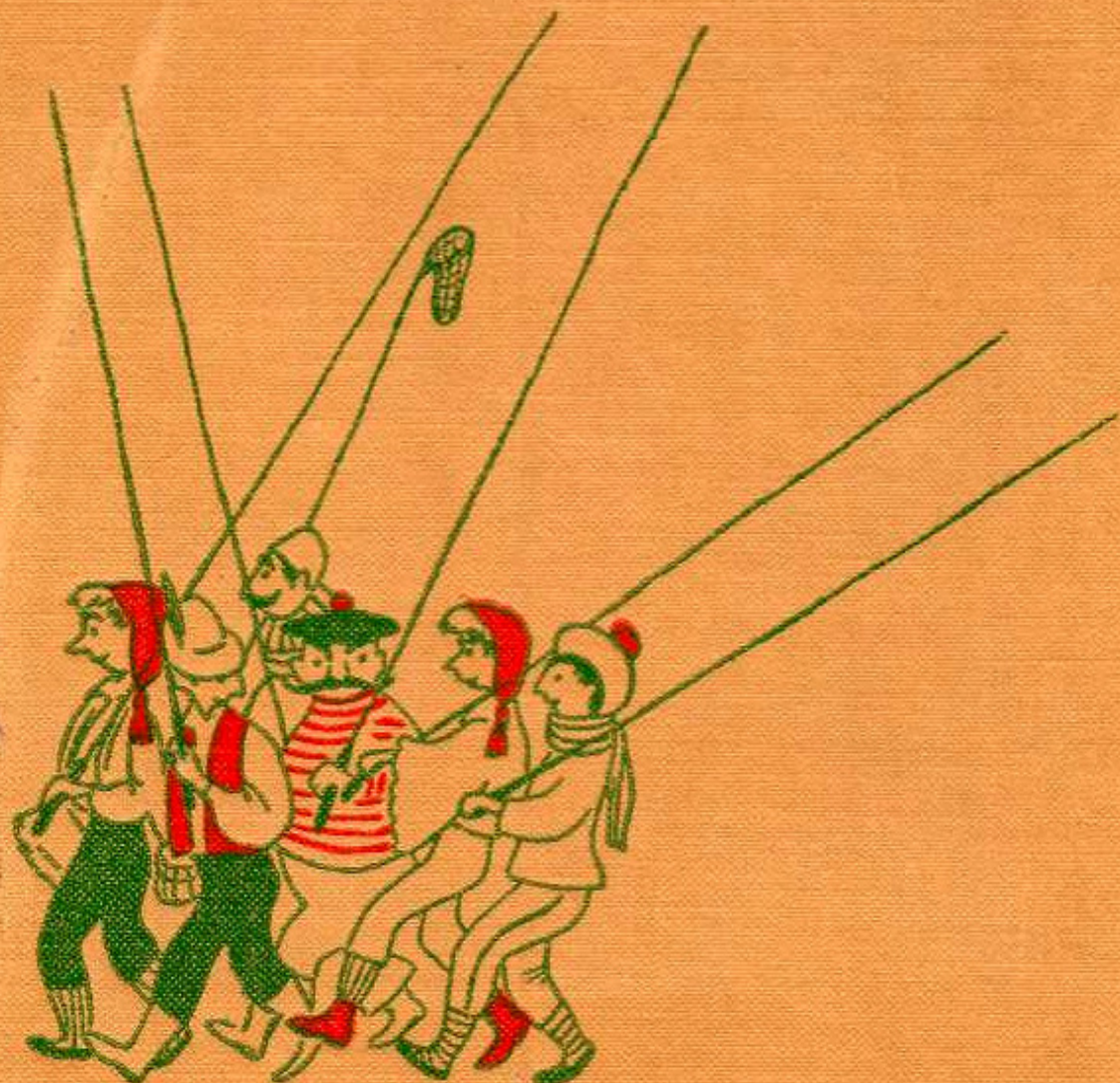


छह बेवकूफ मछुआरे

बेंजामिन एल्किन, चित्र : कैथरीन एवांस

हिंदी : विदूषक

Six Foolish Fishermen



छह बेवकूफ मछुआरे

बेंजामिन एल्किन, चित्र : कैथरीन एवांस

हिंदी : विदूषक

Six Foolish Fishermen

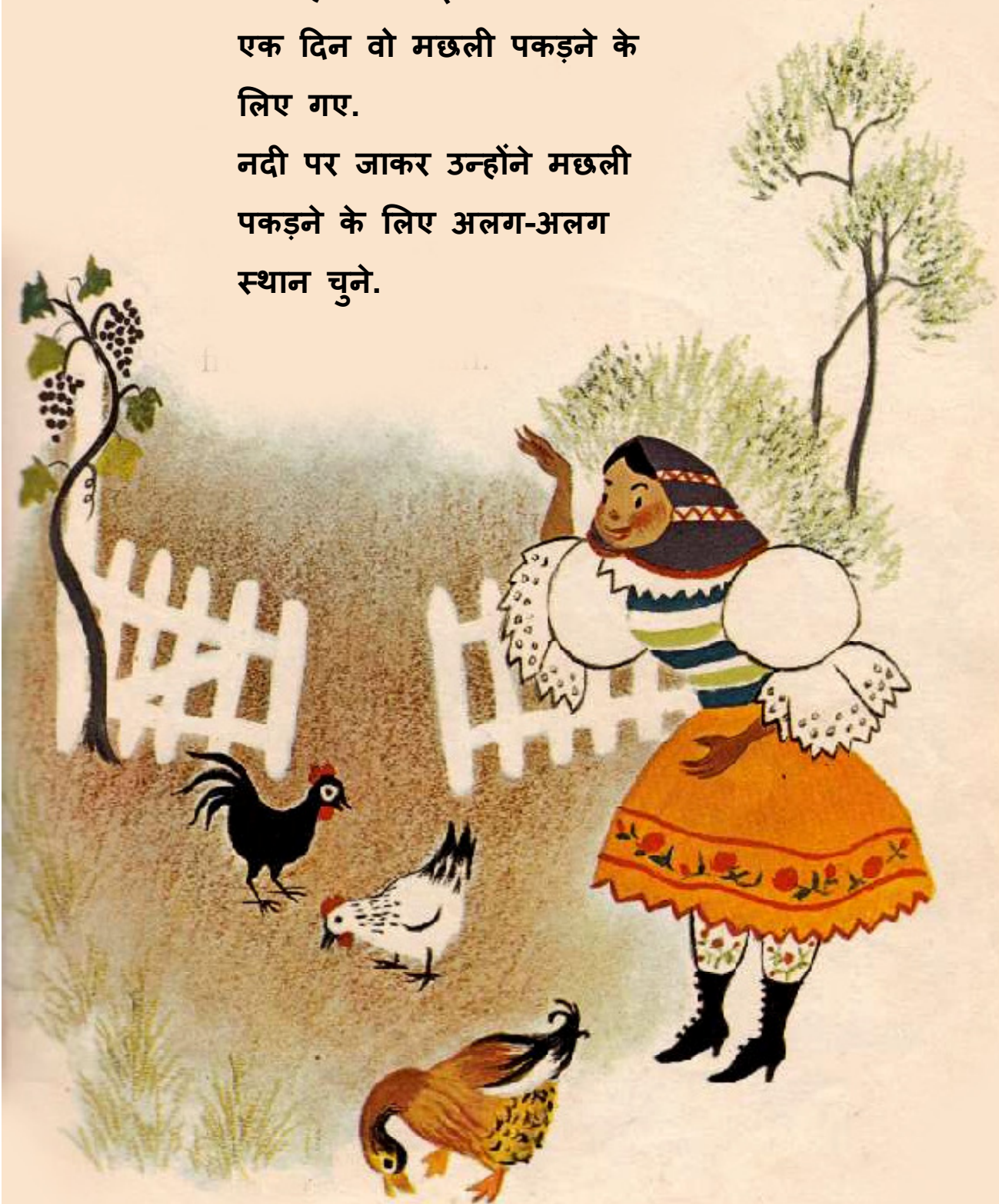
By BENJAMIN ELKIN

Illustrations by Katherine Evans





छह सगे भाई थे.
एक दिन वो मछली पकड़ने के
लिए गए.
नदी पर जाकर उन्होंने मछली
पकड़ने के लिए अलग-अलग
स्थान चुने.



“में इस नाव में बैठकर मछली पकड़ूँगा,”
पहले भाई ने कहा.

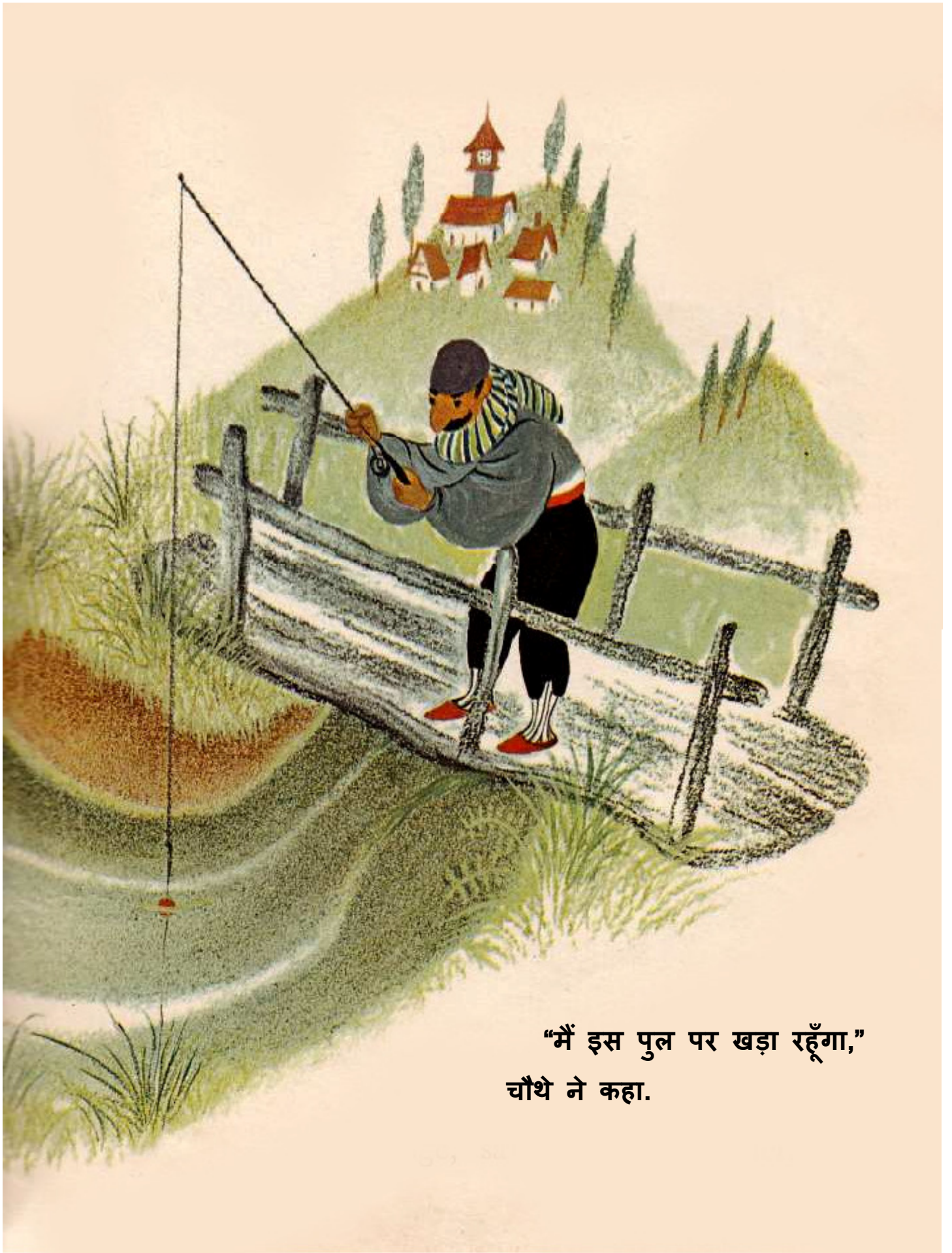




“मैं इस लकड़ी की राफ्ट (बेड़े) पर घुटनों के बल बैठूंगा,” दूसरे भाई ने कहा.

“मैं इस पेड़ के तने पर बैठूंगा,”
तीसरे ने कहा.





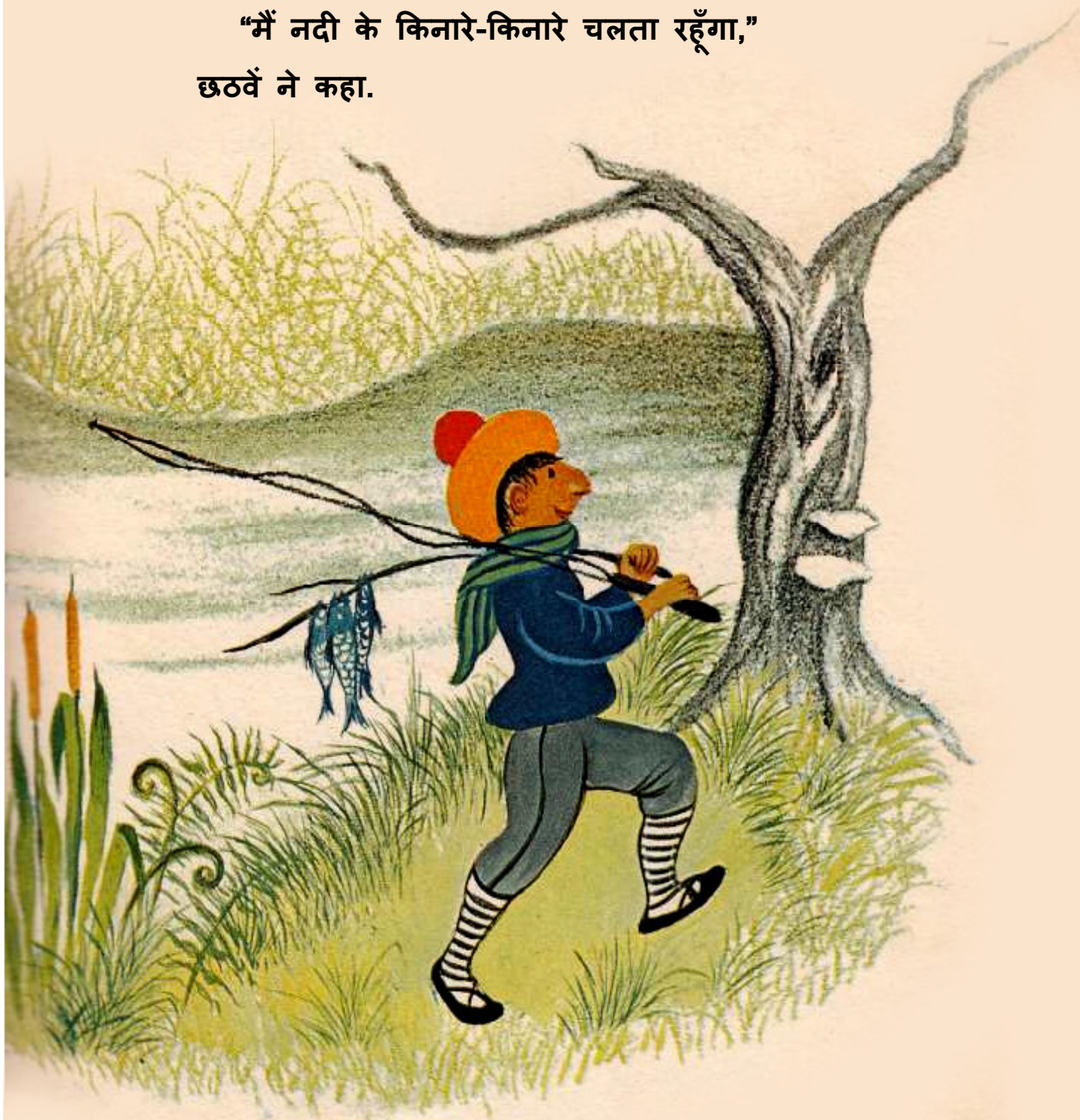
“में इस पुल पर खड़ा रहूँगा,”
चौथे ने कहा.



“में इस पत्थर पर लेटा रहूँगा,”
पांचवें ने कहा.

her.

“में नदी के किनारे-किनारे चलता रहूँगा,”
छठवें ने कहा.



छहों भाईयों ने बिल्कुल वही किया. हरेक भाई ने अपनी-अपनी चुनी जगह से मछलियाँ पकड़ीं. उस दिन हरेक की किस्मत ने अच्छा साथ दिया.

पर जब घर जाने का वक़्त आया तो सभी भाई थोड़ा परेशान हुए.

“हम लोग नदी के पास, नदी के ऊपर और नदी में थे,” नाव पर सवार भाई ने कहा. “हममें से कोई भी भाई आसानी से, नदी में गिर कर डूब सकता था. मैं सभी भाईयों की गिनती करके पक्का करूंगा कि हम पूरे-के-पूरे छह हैं.”

फिर उसने गिनना शुरू किया :



“मुझे एक भाई
राफ्ट (बेड़े) पर दिख
रहा है. वो हुआ **एक**.”



दूसरा भाई पेड़
के तने पर है.
अब हुए **दो**.



और तीसरा
पुल पर है.
अब हुए **तीन**.



एक भाई
पत्थर पर है.
अब हुए **चार**.



एक नदी के
तट पर है.
अब हुए **पांच**.



सिर्फ **पांच**! बड़ा अनर्थ हो गया!
हमारा एक भाई खो गया!"
अपने दुःख में उसे इस बात का कोई
अंदाज़ ही नहीं रहा कि वो खुद को
गिनना भूल गया था.

“क्या यह सच हो सकता है?” जो भाई राफ्ट
(बेड़े) पर था, उसने रोते हुए पूछा.
“क्या हममें से एक डूब गया है?
क्या सच में हमारा एक भाई गायब है?”

फिर उसने भी गिनना शुरू किया :







“मुझे एक भाई लकड़ी
के तने पर दिख रहा है.
वो हुआ **एक**.”

दूसरा, पुल पर है.
अब हुए **दो**.



तीसरा पत्थर पर है.
अब हुए **तीन**.



एक और नदी
के तट पर है.
अब हुए **चार.**



एक और नाव में हैं.
कुल हुए **पांच.**

“सिर्फ पांच!
हम घर जायेंगे तो माँ क्या कहेगी?”
वो भाई भी, गिनती करते समय,
खुद को गिनना भूल गया था.



“में यहाँ से गिनता हूँ”
पेड़ के तने पर बैठा भाई चिल्लाया.





“मुझे एक भाई पुल पर दिख रहा है.
वो हुआ **एक**.
“दूसरा पत्थर पर लेटा है.
अब हुए **दो**.
“तीसरा नदी के किनारे खड़ा है.
अब हुए **तीन**.



“एक भाई नाव में है.

अब हुए **चार.**

“एक और भाई राफ्ट पर है.

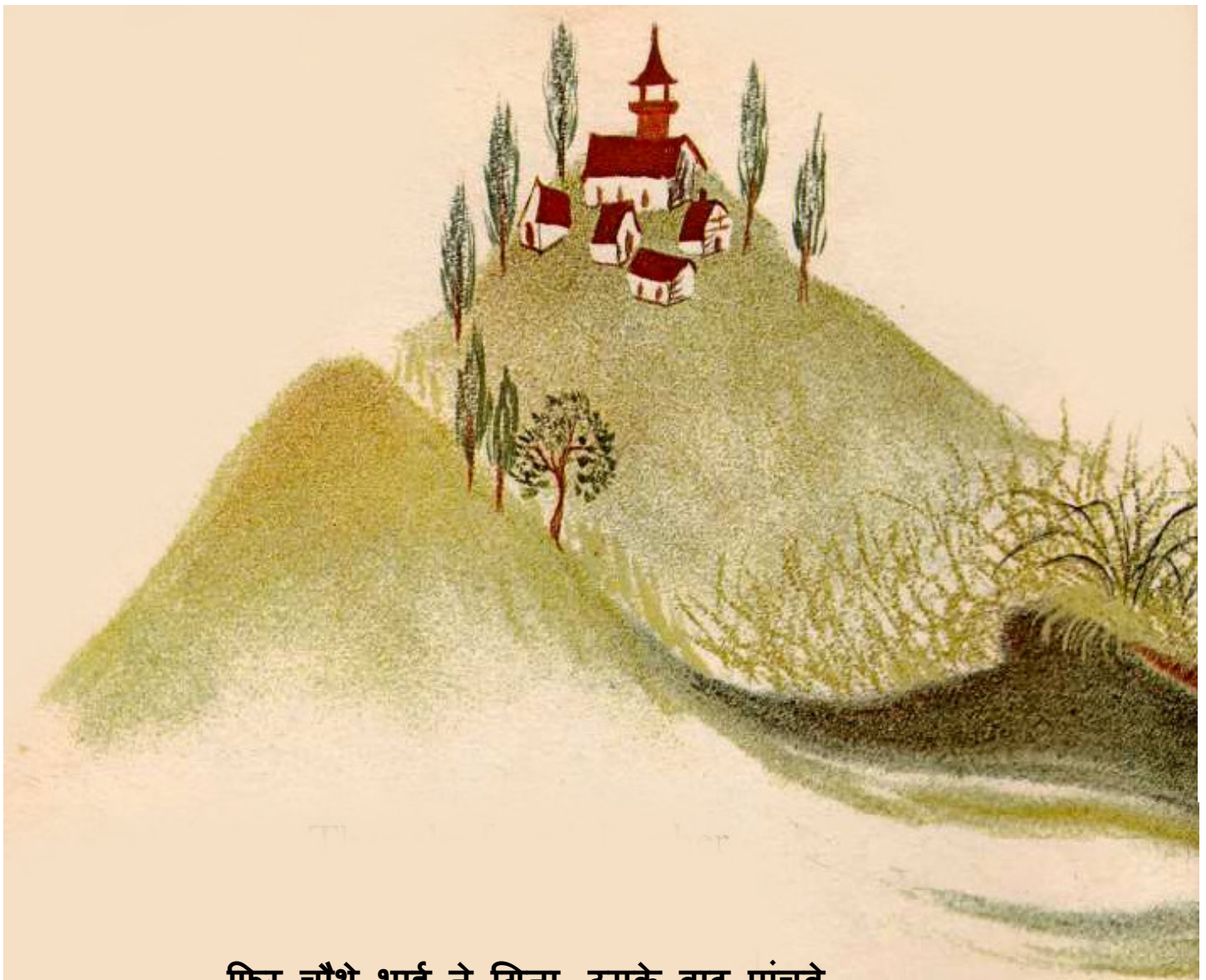
कुल मिलकर हुए **पांच.**

कितना अशुभ दिन है!

आज हम क्यूं घर से निकले

– जिससे हमारा एक भाई

नदी में डूब मरे!”



फिर चौथे भाई ने गिना, उसके बाद पांचवे
भाई ने गिना. अंत में छठवें भाई ने गिनती
की. हरेक ने केवल पांच भाई गिने – क्योंकि
हरेक ने खुद को गिनती में शामिल नहीं किया.

सभी भाई नदी के तट पर गए और फिर
बहुत दुखी और भारी मन से वो नदी के
किनारे-किनारे चले – कि कहीं उन्हें अपने डूबे
भाई की लाश दिख जाए.



उनके साथ-साथ एक लड़का भी चला. वो भी सुबह मछली पकड़ने आया था. पर आज उसकी किस्मत खराब थी. दिन भर मेहनत के बाद, उसके हाथ एक भी मछली नहीं लगी थी!

“क्या बात है?” लड़के ने भाईयों से पूछा. “आप में से हरेक ने ढेर सारी मछली पकड़ी हैं. फिर आप इतने दुखी क्यों लग रहे हैं?”

“क्या बताएं. हम छह भाई मछली पकड़ने आए थे, और अब पांच ही बचे हैं. हमारा एक प्रिय भाई नदी में डूब गया है!”

लड़का थोड़ी उलझन में फंस गया. “आपका कहना है – कि सिर्फ पांच ही बचे हैं?
आपको यह कैसे पता चला?”





“मैं तुम्हें दिखता हूँ, कैसे,” उनमें से सबसे बड़े भाई ने कहा. फिर उसने अपने सभी भाईयों की ओर ऊँगली उठा कर कहा :

“एक,
दो,
तीन,
चार,
पांच.

“हम छह भाई यहाँ पर सुबह आए थे और अब सिर्फ पांच ही वापिस जा रहे हैं. आज का दिन हमारे लिए बहुत ही मनहूस दिन है!”

लड़का अपनी हंसी छिपाने के लिए पीछे मुड़ा. “मुझे लगता है कि मैं खोए हुए भाई की खोज में, आपकी मदद कर सकता हूँ,” उसने कहा. “जब मैं आपमें से हरेक का हाथ दबाऊँ तब हरेक को अपना नम्बर बताना है.”

उसके बाद लड़के ने हरेक भाई का हाथ बहुत जोर लगाकर दबाया.

“एक!” पहला भाई चिल्लाया. क्योंकि उसके हाथ में दर्द हो रहा था इसलिए उसने बाद में अपने हाथ को सहलाया.

“दो!” दूसरा भाई चीखा. हाथ में दर्द के मारे वो ऊपर-नीचे कूदने लगा.

“तीन!” तीसरा भाई चीखा.

“चार!” चौथा भाई चिल्लाया.

“पांच!” पांचवे भाई ने जोर से कहा.

“छह!” छठा भाई चीखा.

छह! उसके बाद सभी भाई एक-दूसरे को खुशी और अचरज से देखने लगे.





अब एक बार फिर से, सभी छह भाई आपस में मिले.
वो बेहद खुश थे और एक-दूसरे की पीठ थपथपा रहे थे.
लड़के के उन भाईयों पर बड़ा एहसान किया था.
“देखो,” उन्होंने कहा, “तुम्हारे एहसान के लिए हम तुम्हें
अपनी सारी मछलियाँ देना चाहते हैं. तुमने हमारे खोए हुए
भाई को हमें वापिस दिलाया है. तुम्हारी इस भलाई को हम
कभी नहीं भूलेंगे.”

लड़के ने उन भाईयों की मछलियों की भेंट को, सहर्ष
स्वीकार किया. उसके बाद छहों भाई खुशी-खुशी अपने घर
गए.





